>

Title: Regarding damage due to massive floods in Eastern Uttar Pradesh and other parts of the country.

**श्री नीरज शेखर (बलिया):** अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे आज बोलने का मौका दिया, मैं आपका आभार व्यक्त करना चाहता हूं। बाढ़ की वजह से जो संकट पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार में आया है, पिछले करीब 40 दिनों से मेरे लोक सभा क्षेत्र में, पूर्वांचल में लोग बाढ़ से घिरे हुए हैं। एक-एक घर एक-एक टापू बन गया है। राज्य सरकार बहुत सारे काम कर रही है, खाद्यान्न वहां बांट रही है। वहां पर तिरपाल और दवाइयां देने का काम राज्य सरकार कर रही है। लेकिन बाढ़ के बाद पानी धीरे-धीरे कम हो रहा है, जो कटान की समस्या है, कटान से लाखों एकड़ जमीन गंगा नदी में विलीन हो रही है। लोगों के घर गिर रहे हैं।, हजारों हैक्टेयर फसल बर्बाद हो गई है। उसके मुआवजे के लिए जो राज्य सरकार कार्य कर रही है, मैं चाहूंगा कि केन्द्र सरकार का सहयोग राज्य सरकार को मिले। वहां पर जो मुआवजा देने की बात है, जिनके घर गिर गए हैं, आप जानते हैं, उस पीड़ा को आप समझ सकती हैं। किसान और गरीब व्यक्ति को अपना घर अपने हाथों से तोड़ना पड़ता है, क्योंकि वह जानता है कि अगले दिन उसका घर गंगा के कटान से गिर जाएगा, तो वह घर अपने हाथों से तोड़ रहा है। केन्द्र सरकार को उनकी पीड़ा को समझने की जरूरत है। हमेशा कहते हैं कि राज्य सरकार से आना चाहिए, क्यों, क्या केन्द्र सरकार का कोई दायित्व नहीं बनता कि वहां पर जाकर सर्वे कराए। उनकी टीम वहां जाकर देखे। न केवल उत्तर प्रदेश में बल्कि बिहार, बंगाल, मध्य प्रदेश, पंजाब, हर जगह बाढ़ आई हुई है। केन्द्र सरकार कह रही हैं, जब तक राज्य सरकार नहीं भेजेगी, राज्य सरकार भेज रही है। केन्द्र सरकार का दायित्व बनता है, क्या हम लोग भारत के वासी नहीं हैं? क्या केन्द्र सरकार कभी वहां जाकर देखने का कष्ट नहीं कर सकती कि वहां कैसी स्थिति है? केन्द्र सरकार की टीम आज तक वहां पर नहीं गई। केन्द्र सरकार वहां टीम भेजे और पता करे, वहां पर क्या चाहिए। केन्द्र सरकार क्या सहयोग दे सकती हैं? वहां हजारों हेक्टेअर फसल बर्बाद हो गयी है, मेरे बलिया लोकसभा क्षेत्र में किसानों की एक लाख हेक्टेअर फसल बर्बाद हो गयी है। जब किसान कुछ उत्पाद ही नहीं कर पायेगा, तो वहां वह अगली बार कैसे फसल उत्पादित करेगा? राज्य सरकार चाहती है कि अधिक से अधिक सहयोग केन्द्र सरकार करे। बलिया के करीब जो सारे ब्लॉक्स हैं, बलिया, गाजीपुर, रेवतीपुर, मोहमदाबाद, सोहाव, बैरिया ब्लॉक सभी पानी में डूबे हुए हैं।

महोदया, मैं चाहूंगा कि कटान पीड़ितों के लिए केन्द्र सरकार की कोई योजना बने। वहां पर आदरणीय लालू जी का क्षेत्र आता है, वहां पर कोई मुआवजा नहीं मिल रहा है। ...(व्यवधान) कटान से हजारों घर विलीन हो रहे हैं। ...(व्यवधान) मैं आपके माध्यम से आग्रह करूंगा कि केन्द्र सरकार वहां टीम भेजे और सर्वे कराये तथा राज्य सरकार को भारी से भारी सहयोग करे,।

**अध्यक्ष महोदया :**

श्री देवजी एम. पटेल,

श्री दानवे रावसाहेब पाटील,

श्री ए.टी. नाना पाटील,

श्री जगदम्बिका पाल,

श्री गोरखनाथ पाण्डेय,

श्रीमती मीना सिंह,

श्री पन्ना लाल पुनिया,

श्री कमल किशोर 'कमांडो' और

श्रीमती पुतुल कुमारी अपने आपको श्री नीरज शेखर जी के विषय के साथ सम्बद्ध करते हैं।